Skill Development Programme

For Answer Writing

Disaster Management (Model Answer)

DATE :18-May-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. हाल के दिनों में सूखा भारत में एक ज्वलंत समस्या बन गया है, जिसके बहुआयामी प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) सूखा की व्याख्या किस प्रकार करता है? साथ ही आप सूखे का प्रबंधन किस प्रकार करेंगे? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (250 शब्द)

In recent days, drought has become a vivid issue, many multilateral effects of which is being seen. How does Indian Meteorological Department define drought? Also, how will you mange drought? Explain with examples. (250 Words)

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु

- भूमिका में हाल के दिनों में सूखा से संबंधित समाचारों को बताएं।
- इसके प्रभावों की चर्चा करें।
- इसके अगले पैरा में IMD के सूखा संबंधित प्रावधानों को दिखाऐं।
- इसके अगले पैरा में प्रबंधन संबंधी रणनीति उदाहरण के साथ सुस्पष्ट करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- हाल ही में सरकार ने आठ राज्यों को (केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु) सूखा प्रवण क्षेत्र घोषित कर 24000 करोड़ रूपये का बजटीय प्रावधान किया है। इसके अलावा किसानों की समस्या, बुंदेलखण्ड में अकाल जैसे हालात, मराठवाड़ा में पानी की कमी, कर्नाटक में नदी जल-विवाद जैसी ज्वलंत समस्या उत्पन्न हुई है। पश्चिमी घाटों में पर्यावरण की समस्या भी बढ़ी है।

सूखे की समस्या का बहुआयामी प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिलता है, यथा-

1. खाद्यान्न संकट, भूजल दोहन के कारण जलश्रोत स्तर में कमी, पानी की कमी के कारण वृक्ष समाप्त हो जाते है। साथ ही जानवरों के पलायन, जल के अभाव में मत्सय पालन, वानिकी, जैवविविधता प्रभावित होती है।
2. सूखे के कारण कुपोषण, भूखमरी, स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव, सामाजिक आनाचार में वृद्धि, देखने को मिलता है।
3. सूखे के कारण नदी जल विवाद, विदेशी संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव, अर्थव्यवस्था में गिरावट इत्यादि भी देखने को मिलता है।

सूखे का प्रभाव

कृषि राजनीति पर्यावरण अर्थव्यवस्था जीवन जैव विविधता स्वास्थ्य समाज

भारतीय मौसम विभाग सूखा शब्द के स्थान पर ''अल्प वर्षा वाला वर्ष'' तथा अत्यधिक अल्प वर्षा वाला वर्ष का प्रयोग करता है। इसका अर्थ है कि सूखा प्रवण क्षेत्रों को गंभीर और सामान्य में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके साथ ही केवल 'गंभीर' सूखे की स्थिति में ही राज्य को राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से केंद्रीय सहायता दिया जाएगा।

सूखे का प्रबंधन करने के लिए निम्न उपायों की आवश्यकता है यथा-

1. वनों का विस्तार, छोटे-छोटे चेकडैम बनाना, तालाब का निर्माण, वर्षा के समय जल का संग्रहण, जल के सतही प्रवाह में कमी करना यथा तेलंगाना सरकार का मिशन भागीरथ।
2. वाटर शेड प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना, उदाहरणार्थ राजस्थान सरकार का मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, पूर्वानुमान को बेहतर बनाना, सूखा रोधी फसलों का विकास, मेघ बीजन को अपनाना, वनों के आवरण में वृद्धि करना, जन जागरूकता के लिए एनजीओ को बढ़ावा देना इत्यादि।

भारत की 55% आबादी कृषि पर निर्भर है। अतः सुखा मुक्त भारत देश के विकास के साथ जल ही जीवन है, के सपनों को भी साकार करेगा।